

रीवा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल तथा पार्वती-कालीसधि-चंबल लकि परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने रीवा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के वसितार के लिये 164 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है।

मुख्य बिंदु:

- इस नरिणय से रीवा और शहडोल संभाग के लोगों को लाभ होगा क्योंकि यह उन संभागों का सबसे बड़ा सुपर स्पेशलिटी अस्पताल है।
- मंत्रपरिषद ने राज्य में **स्टार्टअप नीति** को लेकर भी महत्त्वपूर्ण नरिणय लिया।
 - सभी स्टार्टअप लोग जो राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये 50,000 रुपए और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये 1.50 लाख रुपए की प्रतपूर्ति राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी।
 - किसी स्टार्टअप के लिये यह राशा एक वतितीय वर्ष में एक बार और पूरे कार्यकाल में दो बार तक दी जाएगी।
- करीब दो दशक से लंबति **पार्वती-कालीसधि-चंबल लकि परियोजना** अब पीएम की पहल से करयानवति होगी।
 - इससे राज्य के मालवा और चंबल क्षेत्र के 12 ज़िलों तथा पूर्वी राजस्थान के 13 ज़िलों को लाभ होगा।
 - इन क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता बढ़ेगी तथा सचिाई एवं औद्योगिकि उपयोग के लिये भी जल उपलब्ध होगा।
 - यह परियोजना 75,000 करोड़ रुपए की है और इसमें राज्य केवल 10% नविश करेगें, बाकी 90% राशा केंद्र सरकार प्रदान करेगी।

पार्वती-कालीसधि-चंबल लकि परियोजना

- इसका उद्देश्य दक्षिणी राजस्थान में चंबल, कुनू, पार्वती, कालीसधि सहति इसकी सहायक नदियों में बरसात के मौसम में उपलब्ध अतिरिक्त जल का संचयन करना और इस जल का उपयोग राज्य के दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है, जहाँ पीने तथा सचिाई के लिये जल की कमी है।
- इस परियोजना का उद्देश्य वर्ष 2051 तक दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मानव तथा पशुधन हेतु पीने के जल तथा औद्योगिकि गतिविधियों हेतु जल की आवश्यकताओं को पूरा कयिा जाना है।
- इसमें राजस्थान के 13 ज़िलों को पीने का जल उपलब्ध कराने और 26 वभिन्नि बड़ी एवं मध्यम परियोजनाओं के माध्यम से 2.8 लाख हेक्टेयर भूमि के लिये सचिाई का जल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।
 - 13 ज़िले: इसमें झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर शामिल है।